भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. †*318
सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

'प्रसाद' योजना की उपलब्धियाँ

†*318. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश भर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) संबंधी योजना की उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर करने का विचार है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत विकसित स्थलों पर सकारात्मक विकास का ब्यौरा क्या है;

(ग) श्रद्धालुओं को निर्बाध और समग्र यात्रा सुविधा प्रदान करने वाले एकीकृत आध्यात्मिक सर्किट विकसित करने हेतु सरकार की कार्यनीति का ब्यौरा क्या है;

(घ) इन पवित्र स्थलों पर 'स्वच्छता' और अपशिष्ट प्रबंधन के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे ठोस कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार की इन स्थलों के समृद्ध इतिहास और महत्व को दर्शाने वाले समावेशी अनुभवों हेतु संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) जैसी डिजिटल तकनीकों का फायदा किस प्रकार उठाने की योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर और डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे द्वारा 'प्रसाद' योजना की उपलब्धियों के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*318 के भाग (क) से (ङ.) के उत्तर में **विवरण**

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) नामक योजना के तहत देश भर में चिह्नित धार्मिक और विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

जनवरी 2015 में प्रशाद योजना के शुभारंभ के बाद से मंत्रालय ने 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 1726.74 करोड़ रु. की अनुमानित लागत से 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में प्रशाद योजना की 54 स्वीकृत परियोजनाओं के तहत समग्र पर्यटक अनुभव में सुधार के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित की हैं, जैसेकि पर्यटक सुविधा केंद्र, अप्रोच रोड और पार्किंग, प्रतीक्षालय, क्लोक रूम, जनसुविधा, कैफेटेरिया, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, संकेतक, स्थल विकास अर्थात भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण और अन्नदानम केंद्रों का विकास आदि।

आईआईएम रोहतक की वर्ष 2021 की केंद्रीय क्षेत्र योजना प्रशाद के मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना ने आगंतुकों की संतुष्टि, यात्रा में सुगमता और चयनित विरासत स्थलों के सौंदर्य संबंधी पहलुओं के संवर्धन में मदद की है। साथ ही, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि इस योजना से आगंतुकों के समग्र सकारात्मक अनुभव में भी वृद्धि हुई है।

(ग) से (ङ): पर्यटन स्थलों का विकास संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को विकसित और प्रोत्साहित करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से पूर्ण की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत विभिन्न विषयगत परिपथों, जैसेकि आध्यात्मिक परिपथ, बौद्ध परिपथ, तीर्थंकर परिपथ, कृष्ण परिपथ, रामायण परिपथ आदि के अंतर्गत परियोजनाएं विकसित की हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए भी विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य इन योजनाओं के माध्यम से अवसंरचना के विकास हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए देश के पर्यटन परिदृश्य को बेहतर बनाना है और इसके लिए पर्यटक सुविधा केंद्रों सहित पर्यटक आगमन क्षेत्रों का उन्नयन; अप्रोच रोड और पार्किंग; प्रतीक्षालय और क्लोकरूम जैसी मूलभूत सुविधाओं का प्रावधान; जनोपयोगी अवसंरचना का विकास, भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण तथा अन्नदानम केंद्रों का विकास आदि जैसे घटकों को मंजूरी दी गई है।

यद्यपि, तीर्थ स्थलों पर नियमित रूप से साफ-सफाई रखना राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, स्थानीय निकायों और मंदिर ट्रस्टों की जिम्मेदारी है, तथापि पर्यटन मंत्रालय ने स्वच्छता और साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न घटकों जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र, जन-सुविधाएं, जैव-शौचालय, पेट बोटल फ्लेकिंग मशीन, कूड़ेदान, अपशिष्ट पृथक्करण इकाइयां और पवित्र अपशिष्ट प्रबंधन आदि को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को तीर्थ स्थलों और विरासत स्थलों पर आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नवीन तकनीकों का लाभ उठाने के लिए भी प्रोत्साहित करता है और इस योजना के तहत अनुभव केंद्रों और एआर/वीआर सुविधाओं जैसे घटकों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, मंत्रालय ने एम्फीथिएटर, ओपन एयर थिएटर (ओएटी), लाइट एंड साउंड शो, व्याख्यान केंद्र जैसे घटकों को मंजूरी दी है, जो इन स्थलों के समृद्ध इतिहास और महत्व को बताने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

*****

अनुबंध

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर और डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे द्वारा 'प्रसाद' योजना की उपलब्धियों के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*318 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**जारी राशि (करोड़ रु. में)**	**भौतिक प्रगति**
1.	आंध्र प्रदेश	पर्यटक गंतव्य के रूप में अमरावती टाउन, गुंटूर जिले का विकास	2015-16	27.77	27.77	100%
2.	आंध्र प्रदेश	श्रीसैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08	100%
3.	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम मंदिर में सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम	2022-23	54.04	27.37	65%
4.	आंध्र प्रदेश	अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	25.33	-	-
5.	अरुणाचल प्रदेश	परशुराम कुंड, लोहित जिला का विकास	2020-21	37.88	31.02	92%
6.	असम	गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और आसपास के तीर्थ स्थलों का विकास	2015-16	29.80	29.80	100%
7.	बिहार	पटना साहिब का विकास	2015-16	29.62	29.62	100%
8.	बिहार	गया, बिहार में विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	100%

9.	बिहार	अंबिका भवानी मंदिर, सारण का विकास	2024-25	13.29	-	-
10.	छत्तीसगढ़	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर डोंगरगढ़, राजनंदगांव जिला, छत्तीसगढ़ का विकास	2020-21	48.44	40.19	100%
11.	गोवा	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024-25	16.46	4.68	-
12.	गुजरात	द्वारका का विकास	2016-17	10.46	10.46	100%
13.	गुजरात	सोमनाथ में तीर्थयात्री सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36	100%
14.	गुजरात	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2018-19	47.12	47.12	100%
15.	गुजरात	गुजरात में अंबाजी मंदिर, बनासकांठा में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	30.00	38%
16.	हरियाणा	पंचकुला जिले में माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68	74%
17.	जम्मू एवं कश्मीर	हजरतबल दरगाह, श्रीनगर का विकास	2016-17	40.46	34.30	100%
18.	झारखंड	बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास	2018-19	36.79	34.95	100%
19.	कर्नाटक	मैसूरु में श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2023-24	45.38	0.00	0%
20.	कर्नाटक	रेणुका येल्लामा देवी मंदिर का विकास	2024-25	18.37	-	-
21.	कर्नाटक	पापनाश मंदिर, बीदर जिले में मूलभूत का विकास	2024-25	22.25	-	0%
22.	केरल	गुरुवायूर मंदिर का	2016-17	45.19	45.19	100%

		विकास				
23.	मध्य प्रदेश	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	42.47	100%
24.	मध्य प्रदेश	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93	100%
25.	महाराष्ट्र	त्रियंबकेश्वर, नाशिक का विकास	2017-18	45.41	38.44	91%
26.	मेघालय	मेघालय में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2020-21	29.29	27.78	100%
27.	मिज़ोरम	मिज़ोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	26.37	44.5%
28.	मिज़ोरम	चंफाई जिले के वांगछिया में प्रशाद योजना के तहत मूलभूत सुविधाओं का विकास	2024-25	5.47	-	-
29.	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	23.56	100%
30.	नागालैंड	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	15.45	99%
31.	ओडिशा	मेगा परिपथ के अंतर्गत पुरी, श्री जगन्नाथ धाम - रामचंडी - देमुली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00	27%
32.	पुदुचेरी	श्री धरबारण्येश्वर मंदिर के लिए तीर्थयात्री संबंधी सुविधाओं और पर्यटक आकर्षणों का विकास	2024-25	25.94	-	-
33.	पंजाब	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40	100%
34.	पंजाब	चमकौर साहिब, रोपड़, पंजाब का विकास	2021-22	30.52	21.93	79%

35.	राजस्थान	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11	100%
36.	सिक्किम	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31	100%
37.	तमिलनाडु	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99	100%
38.	तमिलनाडु	वेलंकनी का विकास	2016-17	4.86	4.86	100%
39.	तमिलनाडु	8 नवग्रह मंदिरों का विकास	2024-25	40.94	-	-
40.	तेलंगाना	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास	2020-21	38.90	33.07	100%
41.	तेलंगाना	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, मुलुगु में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	32.73	75%
42.	तेलंगाना	भद्राचलम, भद्राद्रि कोठागुडेम जिले में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	8.43	29%
43.	तेलंगाना	देवी रेणुका येल्लम्मा देवस्थानम में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2024-25	4.22	-	-
44.	त्रिपुरा	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	34.43	28.01	79%
45.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73	18.73	100%
46.	उत्तर प्रदेश	मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास	2014-15	10.98	10.98	100%
47.	उत्तर प्रदेश	गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02	9.02	100%
48.	उत्तर प्रदेश	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36	100%
49.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास -	2017-18	44.60	31.77	100%

		चरण ।।				
50.	उत्तर प्रदेश	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97	100%
51.	उत्तराखंड	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77	100%
52.	उत्तराखंड	बद्रीनाथजी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38	85%
53.	उत्तराखंड	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि	2021-22	54.36	10.22	100%
54.	पश्चिम बंगाल	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	100%
कुल				**1726.74**	**1168.65**	

*****